हिमाचल प्रदेश सरकार

Government of Himachal Pradesh

वित्त विभाग

Finance Department

हिमाचल प्रदेश राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबन्ध नियम, 2005 के नियम 4 व 5 के अन्तर्गत प्ररूप 1, नियम 6 के अन्तर्गत प्ररूप 2 व 3 तथा नियम 6 (1) के अन्तर्गत प्ररूप 4

Form 1 under Rules 4 & 5, Form 2 &3 under Rules 6 and Form 4 under Rule 6(1) of the Himachal Pradesh Fiscal Responsibility and Budget Management Rules, 2005.

(हिमाचल प्रदेश विधान सभा में प्रस्तुत किया गया)

(Presented to the Himachal Pradesh Legislative Assembly)

6 मार्च, 2020

6th March, 2020

विषय सूची

क्र0. सं0.	मद	प्ररूप	पृष्ठ
1.	हिमाचल प्रदेश राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबन्ध अधिनियम के अन्तर्गत अनुपालन की स्थिति ।		2—3
2.	मध्यम अवधि राजकोषीय योजना विवरण ।	1	4—8
3.	राज्य सरकार की लेखा नीति और प्रक्रिया ।	2	9—10
4.	राज्य सरकार के दीर्घकालिक दायित्व पर प्रत्याभूतियों के कथन ।	3	11—12
5.	31 मार्च, 2019 को कर्मचारियों की संख्या का ब्यौरा ।	5	13

हिमाचल प्रदेश राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबन्ध अधिनियम के अन्तर्गत अनुपालन की स्थितिः

1. हिमाचल प्रदेश सरकार ने हिमाचल प्रदेश राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबन्ध अधिनियम, 2005 तथा हिमाचल प्रदेश राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबन्ध नियम, 2005 अधिसूचित किए हैं, जिसके अनुसार प्रदेश सरकार मध्यम अवधि रूपरेखा के अन्तर्गत वित्तीय प्रबन्ध में दूरदर्शिता रखते हुए वित्तीय स्थिरता के साथ ऋण प्रबन्धन तथा वित्तीय प्रचालनों में और अधिक पारदर्शिता सुनिश्चित करेगी ।

2. इस अधिनियम के अनुसार, राज्य सरकार को प्रत्येक वित्तीय वर्ष में मध्यम अवधि राजकोषीय योजना विवरण व राजकोषीय योजना नीति विवरण को बजट के साथ विधान सभा में प्रस्तुत करना होता है । इसके अन्तर्गत राज्य सरकार के राजकोषीय उद्देश्य, नीतिगत प्राथमिकताएँ और राजकोषीय प्रबन्ध के तीन वर्षों के चल लक्ष्यों को दर्शाया गया है ।

3. राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबन्ध नियम के चार मापदण्डों के अनुसार स्थिति निम्न प्रकार से हैं :

(क) **राजस्व घाटा**

क्रम सं0	राजकोषीय सूचक	2019-20	2020-21
1	राजस्व प्राप्तियों की प्रतिशतता के रूप में राजस्व घाटा/अधिशेष	-12.39	-1.78

(ख) **राजकोषीय घाटा**

क्रम सं0	राजकोषीय सूचक	2019-20	2020-21
1	सकल राज्य घरेलू उत्पाद की प्रतिशतता के रूप में राजकोषीय घाटा	-6.42	-4.00

(ग) **परादेय ऋण**

क्रम सं0	राजकोषीय सूचक	2019-20	2020-21
1	सकल राज्य घरेलू उत्पाद की प्रतिशतता के रूप में कुल परादेय ऋण	33.68	33.62

(घ) **परादेय प्रत्याभूतियाँ**

क्रम सं0	राजकोषीय सूचक	2019-20	2020-21
1	राजस्व प्राप्तियों की प्रतिशतता के रूप में कुल परादेय प्रत्याभूतियाँ	5.01	6.30

4. प्ररूप –1 में मध्यम अवधि राजकोषीय योजना विवरण नियम 4 व 5 के अन्तर्गत वर्णित है ।

5. राज्य सरकार की लेखा नीति और प्रक्रिया प्ररूप –2 में दी गई है।

6. राज्य सरकार के दीर्घकालिक दायित्व पर प्रत्याभूतियों के कथन प्ररूप –3 में दिया गया है।

7. 31 मार्च, 2019 को कर्मचारियों की संख्या का ब्यौरा प्ररूप–4 में दर्शाया गया है।

प्ररूप–1
(नियम 4 और 5 देखें)
मध्यम अवधि राजकोषीय योजना विवरण

क. राजकोषीय सूचक–चल (रोलिंग) लक्ष्यः (रु0 करोड़ों में)

	राजकोषीय सूचक	चालू वर्ष संशोधित प्राक्कलन 2019–20	आगामी वर्ष लक्ष्य बजट प्राक्कलन वर्ष 2020–21	अगले तीन वर्षो के लिए लक्ष्य		
				वर्ष+1 2021–22	वर्ष+2 2022–23	वर्ष+3 2023–24
1.	राजस्व प्राप्तियाँ	32329.67	38438.87	41154.87	40127.87	42511.79
2.	राजस्व व्यय	36336.63	39122.85	41978.82	45290.95	48954.98
3.	राजस्व प्राप्तियों की प्रतिशतता के रूप में राजस्व घाटा/लाभ	-12.39	-1.78	-2.00	-12.87	-15.16
4.	सकल राज्य घरेलू उत्पाद की प्रतिशतता के रूप में राजकोषीय घाटा	-6.42	-4.00	-3.96	-5.82	-6.07
5.	सकल राज्य घरेलू उत्पाद की प्रतिशतता के रूप में कर राजस्व	4.83	4.99	5.06	5.13	5.20
6.	सकल राज्य घरेलू उत्पाद की प्रतिशतता के रूप में कुल परादेय ऋण	33.68	33.62	33.56	33.51	33.47
7.	राजस्व प्राप्तियों की प्रतिशतता के रूप में कुल परादेय प्रत्याभूतियाँ	5.01	6.30	राज्य सरकार इसे भविष्य में राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबन्ध अधिनियम द्वारा तय सीमा के भीतर रखने का प्रयास करेगी।		
8.	सकल राज्य घरेलू उत्पाद	165472	182020	200222	220244	242269

नोटः

1. चूंकि 15वें वित्तायोग की रिपार्ट वर्ष 2020–21 तक ही उपलब्ध है, वर्ष 2021–22 से 2023–24 के लिए राजस्व घाटा अनुदान को वर्ष 2020–21 के स्तर पर ही स्थिर रखा गया है। हालांकि केन्द्रीय करों में राज्य के हिस्से में वृद्धि 11 प्रतिशत अनुमानित की गई है।
2. जीएसटी मुआवजा 30–06–2022 तक उपलब्ध है जिसके परिणामस्वरूप इस अवधि के पश्चात् वर्ष 2022–23 से 2023–24 तक राजस्व और राजकोषीय घाटे में वृद्धि हुई है जैसा कि उपरोक्त सारणी में दर्शाया गया है।

ख. राजकोषीय सूचकों की निहित धारणाएंः

राजस्व प्राप्तियाँ :

क. **कर राजस्व वृद्धि दरें और सकल राज्य घरेलू उत्पाद वृद्धि दर**

सकल राज्य घरेलू उत्पाद की वृद्धि वर्ष 2018–19 के त्वरित वृद्धि अनुमानों तथा 2019–20 के अग्रिम अनुमानों के आधार पर की गई है। वर्ष 2020–21 से 2023–24 तक वृद्धि 10 प्रतिशत अनुमानित की गई है।

ख. कर तथा गैर कर राजस्व के प्रत्येक घटक को अलग से अनुमानित किया गया है तथा इसमें वृद्धि यथार्थ आधार पर अनुमानित की गई है।

ग. विद्युत की प्रति यूनिट दर में गिरावट के कारण विद्युत प्राप्तियों में वांछित वृद्धि प्राप्त नहीं हुई है।

2. पूँजीगत प्राप्तियाँः

क. **नये उधार और नीतिगत स्थितिः**– सभी ऋण भारत सरकार द्वारा निर्धारित सीमा के भीतर लिए गए हैं ।

ख. **उधारों की वसूलीः**– ऋणों की निरन्तर वसूली की जा रही है ।

3. कुल व्ययः

क. **राजस्व लेखेः**

i) **वेतन और मजदूरीः**– वेतन की गणना सम्भावित मंहगाई भत्ते की किस्त और वेतन परिशोधन के प्रभाव के आधार पर की गई है क्योंकि पंजाब वेतन आयोग द्वारा अपनी रिपोर्ट वर्ष 2020–21 के दौरान प्रस्तुत करने की संभावना है। मजदूरी में वृद्धि वास्तविक आधार पर की गई है ।

ii) **पैंशनः**– पैंशन की गणना प्रतिवर्ष सेवानिवृत हो रहे कर्मचारियों/अधिकारियों की संख्या, वर्ष 2020–21 में वेतन संशोधन के कारण पैंशन परिशोधन के प्रभाव तथा सेवानिवृति पर देय लाभों व भविष्य में मंहगाई भत्ते से पड़ने वाले प्रभाव के आधार पर की गई है।

iii) **ब्याज संदायः**– ब्याज अदायगी की गणना वास्तविक परादेय ऋण तथा भविष्य के अनुमानित ऋण दायित्वों के आधार पर की गई है ।

(रु0 करोड़ों में)

	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24
ब्याज संदाय	4550.00	4931.92	5364.95	5838.14	6532.48

iv) **प्रमुख उपदान (सबसीडीज)**:– राज्य सरकार के उपदान मुख्यतः घरेलू उपभोक्ताओं को ऊर्जा एवं खाद्य क्षेत्र में प्रदान किए जाते हैं। इसमें प्रत्येक वर्ष 10 प्रतिशत की वृद्धि अनुमानित है। सम्भावित उपदान निम्नलिखित प्रकार से रहने की सम्भावना है:–

(रु0 करोड़ों में)

	2019–20	**2020–21**	**2021–22**	**2022–23**	**2023–24**
उपदान	1192.02	1158.33	1274.16	1401.58	1541.74

(ख) पूँजी लेखाः

I. ऋण और अग्रिम:–विवरण निम्न प्रकार से है :–

II. पूँजीगत परिव्ययः

(रु0 करोड़ों में)

	2019–20	**2020–21**	**2021–22**	**2022–23**	**2023–24**
1. पूँजीगत परिव्यय	5943.41	6255.03	6755.44	7295.87	7879.54
2. ऋण और अग्रिमों का भुगतान	706.72	359.45	377.42	396.29	416.10
3. ऋण और अग्रिमों की वसूली	30.69	26.20	26.20	26.20	26.20

(ग) विवरणः

i) **राजस्व प्राप्तियों और राजस्व व्यय के बीच संतुलन**:–वर्तमान मूल्यों पर राज्य का अपना कर राजस्व निम्न प्रकार से होगाः

(रु0 करोड़ों में)

	2019–20	**2020–21**	**2021–22**	**2022–23**	**2023–24**
राज्य वस्तु एवं सेवा कर	3541.64	3855.14	4317.75	4835.88	5416.19
भू राजस्व	16.33	17.78	19.03	20.36	21.79
स्टॉम्प एवं पंजीकरण शुल्क	289.23	327.78	360.56	396.62	436.28
राज्य आबकारी शुल्क	1625.37	1787.90	2020.33	2282.97	2579.76
वैट	1217.31	1685.27	1870.65	2076.42	2304.83
मोटर गाड़ियों पर कर	432.41	457.08	502.79	553.06	608.37
माल तथा यात्री कर	155.44	166.32	182.96	201.25	221.38
विद्युत पर कर एवं शुल्क	378.00	402.82	435.05	469.85	507.44
वस्तुओं तथा सेवाओं पर अन्य कर तथा शुल्क	348.87	390.17	421.37	455.08	491.49
जोड़	**8004.60**	**9090.26**	**10130.49**	**11291.49**	**12587.53**

राज्य का अनुमानित गैर–कर राजस्व निम्न प्रकार से होगा :

(रू0 करोड़ों में)

	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24
ब्याज प्राप्तियाँ	325.99	331.99	351.91	373.02	395.40
लाभांश	139.81	151.55	166.71	183.38	201.71
सामान्य सेवाएं	223.89	235.86	247.65	260.04	273.04
समाजिक सेवाएं	383.74	367.87	393.62	421.18	450.66
आर्थिक सेवाएं	1298.41	1323.19	1415.81	1514.92	1620.96
जोड़	**2371.84**	**2410.46**	**2575.70**	**2752.54**	**2941.77**

आर्थिक सेवा मे बढ़ौतरी में जल विद्युत से प्राप्त राजस्व शामिल है।

आगामी अवधि के लिए राजस्व व्यय निम्नलिखित प्रकार से होगाः

(रू0 करोड़ों में)

	2019–20	2020–21	2021–22	2022–23	2023–24
1. योजना व्यय	2797.58	2857.82	3066.44	3308.38	3576.03
2. गैर–योजना व्यय	30396.71	33361.25	35796.62	38620.98	41745.40
3. केन्द्रीय प्रायोजित स्कीमें	3142.34	2903.78	3115.76	3361.59	3633.55
जोड़	**36336.63**	**39122.85**	**41978.82**	**45290.95**	**48954.98**

(रू0 करोड़ों में)

	2019–20	2020–21	2021–22	2022–23	2023–24
1 वेतन व्यय	11441.12	13099.47	14239.12	15448.03	16731.76
2 पैंशन	6660.42	7266.00	7441.40	7876.88	8450.66
3 ब्याज अदायगियाँ	4550.00	4931.92	5364.95	5838.14	6352.48
4 अन्य	13685.09	13825.46	14933.35	16127.90	17420.08
जोड़	**36336.63**	**39122.85**	**41978.82**	**45290.95**	**48950.98**

i) **बाजार ऋणों सहित पूँजीगत प्राप्तियों का उपयोगः** इनका प्रयोग जलापूर्ति, सिंचाई, सड़कें इत्यादि आवश्यक ढाँचे के विकास हेतु किया गया है, जिससे दीर्घकाल में प्रदेश के लोगों की आजीविका तथा आय में सुधार होता है ।

ii) **राज्य सरकार की वित्तीय स्थिति को प्रभावित करने वाली वर्तमान आर्थिक प्रवृत्ति तथा आगामी आर्थिकी का विवरणः**

क) 15वें वित्तायोग ने अपनी रिपोर्ट केवल एक वर्ष अर्थात् 2020–21 के लिए दी है। अगले पाँच वर्षों (2021–22 से 2025–26) की रिपोर्ट अक्तूबर, 2020 में संभावित है तथा राज्य की वित्तीय स्थिति इसकी संस्तुति पर निर्भर करती है।

ख) वेतन पर होने वाले व्यय में प्रति वर्ष वृद्धि हो रही है। वेतन व्यय वर्ष 2020–21 में कुल व्यय का 27 प्रतिशत होने की संभावना है। वर्ष 2020–21 में वेतन संशोधन अपेक्षित है जिसके वहन का सीधा प्रभाव राज्य के वित्त पर पड़ेगा क्योंकि सामान्यतः पंजाब वेतन आयोग की रिपोर्ट हिमाचल प्रदेश में वेतन संशोधन हेतु विचार की जाती है। राज्य सरकार के अपने सीमित कर आधार से इस प्रभाव को चुकता करना भी एक चुनौती होगी। वेतन/पैंशन पर बढ़ रहे खर्चे का परिसम्पत्तियों के निर्माण व रखरखाव पर भी विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

ग) राज्य को भारत सरकार से जी0एस0टी0 के अन्तर्गत जी0एस0टी0 क्षतिपूर्ति दिनांक 30–06–2022 तक उपलब्ध होगी। दिनांक 01–07–2022 के पश्चात् जी0एस0टी0 क्षतिपूर्ति उपलब्ध न होने के कारण राज्य के राजस्व पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इसलिए कर संग्रह में सुधार हेतु पग उठाए जाने आवश्यक है।

iii) **राजकोषीय क्षेत्रों में सरकार की नीतिगत प्राथमिकताएंः** प्रदेश सरकार ने वित्तीय शुद्धिपथ को संस्थागत बनाने हेतु कई कदम उठाए हैं। ये कदम ढाँचागत नीति तथा क्रियान्वयन दोनों रूपों में है । नीतिगत क्षेत्र में राज्य सरकार ने सुनिश्चित किया है कि उधार राज्य सकल घरेलू उत्पाद के 3 प्रतिशत के भीतर ही रहे। बेहतर कर अनुपालन व आबकारी नीति में पारदर्शिता लाने तथा राजस्व व्यय पर नियन्त्रण करने की कोशिश की जा रही है। उपदान भी नियन्त्रण में है। क्रियान्वयन के अन्तर्गत राज्य सरकार लोक वित्तीय प्रबन्धन प्रणाली की आवश्यकताओं का अनुपालन कर रही है।

v) **संचित ऋण अथवा दायित्वों का विवरणः** वर्ष 2019-20 के अन्त तक राज्य का संचित ऋण मु0 ₹55737 करोड़ रहने का अनुमान है ।

प्ररूप–2
(नियम 6 देखें)
लेखा नीति और राज्य सरकार की प्रक्रिया

	परिवर्तन, यदि कोई हो	परिवर्तनों के कारण	समाधान, यदि कोई हो
(1) विद्यमान लेखा मानक (ब्यौरा दें) **(अ) राज्य सरकार** संविधान के अनुच्छेद 150 व 283 में राज्य सरकार को नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, भारत सरकार द्वारा निर्धारित फॉर्म व रीति के अनुरूप लेखों का हिसाब किताब रखने का प्रावधान है । अभी तक लेखों को निम्न नियमों व नियमावलियों में बताए गए प्रावधानों के अनुसार तैयार किया जाता है : i. हिमाचल प्रदेश वित्तीय नियम 2009 ii. लेखा संहिता iii. कोषालय नियम	-----	-----	-----
(ब) सार्वजनिक उपक्रम कम्पनी एक्ट के अर्न्तगत रखे गए सार्वजनिक उपक्रमलेखामानक बोर्ड/ लेखापाल भारतीय संस्थान, भारत सरकार द्वारा जारी मानकों का अनुसरण करते हैं । बोर्ड/कॉर्पोरेशन व हिमाचल प्रदेश के अन्य सार्वजनिक उपक्रम जो कम्पनी एक्ट के अर्न्तगत नहीं है, के अपने नियम व संहिताएं हैं और इनके लेखे उनमें चिन्हित फॉर्म व पद्धति के अनुसार बनाए जाते हैं ।	-----	-----	-----

2. विद्यमान लेखा नीति/पद्धति(ब्यौरा दें) **(क) राज्य सरकार** (i) वार्षिक लेखों में उन लेन–देन को लिया जाता है जो कि 1 अप्रैल से 31 मार्च तक की वित्तीय वर्ष में किये जाते हैं। (ii) लेखों को रोकड़ के आधार पर तैयार किया जाता है और लेखों की 'एकल प्रवेश पद्धति' का अनुसरण किया जाता है । जिन लेन–देनों में सरकार बैंकर, प्रेषक, उधार लेने वाले या देने वाले के रूप में कार्य करती है वहां दोहरी प्रवेश पद्धति को अपनाया जाता है । (iii) सरकार के लेखों का लेखा जोखा भारतीय मुद्रा में किया जाता है । (iv) सरकार के लेखे तीन भागों में रखे जाते हैः– 1. संचित या समेकित निधि 2. आकस्मिक निधि 3. सार्वजनिक लेखा (v) अनुच्छेद 202 (2) (b) की आवश्यकतानुसार राजस्व लेखों पर व्यय को अन्य व्यय से अलग रखा जाता है। (vi) राज्य सरकार के वार्षिक लेखों को दो भागों यथा विनियोजित लेखे और वित्तीय लेखों के रूप में तैयार किया जाता है । **(ख)सार्वजनिक उपक्रम** कम्पनी एक्ट के अन्तर्गत आने वाले उपक्रम उपचय लेखा प्रणाली को अपनाते हैं । बताए गए समय में कार्य परिणामों को दिखाने के लिए दो वित्तीय विवरण यथा लाभ और हानि लेखा/आय व व्यय लेखा तैयार किए जाते हैं तथा वित्तीय स्थिति को दर्शाने के लिए प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अन्त में तुलन पत्र तैयार किया जाता है । बोर्ड व कॉर्पोरेशन तथा कम्पनी एक्ट के अन्तर्गत न आने वाले हिमाचल प्रदेश के सार्वजनिक उपक्रमों के अपने नियम/संहिताएं हैं और लेखों को इन्हीं नियमों व संहिताओं में निर्देशित प्रणाली के अनुरूप तैयार किया जाता है ।			

प्ररूप-3

(नियम 6 देखें)

राज्य सरकार के दीर्घकालिक दायित्व पर प्रत्याभूतियों के कथन

वर्ष जिसके लिए वास्तविक आँकड़े उपलब्ध है, के लिए प्रत्याभूतियों की अधिकतम रकम (31—03—2019) (रू0 करोड़ों में)	दी गई प्रत्याभूति के विरूद्ध परादेय रकम (31—03—2019) (रू0 करोड़ों में)	पूर्ववर्ती वर्ष के 31 मार्च के परादेय प्रत्याभूतियाँ (31.03.2018) (रू0 करोड़ों में)	चालू वर्ष के दौरान दी गई अतिरिक्त प्रत्याभूतियाँ (2019—20 (रू0 करोड़ों में)	टिप्पणी, यदि कोई हो।
1776.93	1549.64	1416.33	400.00	परादेय प्रत्याभूतियाँ राजस्व प्राप्तियों का 6.30% है, जो कि राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबन्धन के लक्ष्य से नीचे है।

II जोखिम भरी प्रत्याभूतियों का विवरणः

			(रु0 करोड़ों में)
क्रम संख्या	**निगम**	**कुल प्रत्याभूतियाँ और बकाया 31-03-2019 तक**	**जोखिम भरी राशि**
1.	हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड़	800.00	400.00
2.	हिमाचल पथ परिवहन निगम	187.29	187.29
3.	हथकरघा एवं हस्तशिल्प निगम	0.60	0.45
4.	अल्पसंख्यक वित्त विकास निगम	14.50	10.87
5.	दुग्ध संगठन	5.00	3.75
6.	हिमाचल प्रदेश खादी एवं ग्रामीण उद्योग बोर्ड़	4.73	3.55
7.	हिमाचल प्रदेश कृषि उद्योग निगम	0.40	0.30
8.	अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन–जाति निगम	23.87	17.90
9.	हिमाचल प्रदेश वित्त निगम	5.80	4.35
10.	पिछड़ी जाति वित्त विकास निगम	8.96	6.72
11.	हिमाचल प्रदेश अधोसंरचना विकास बोर्ड	17.38	-
12.	हिमाचल प्रदेश उद्यान उत्पाद विपणन एवं प्रसंस्करण निगम	6.00	4.50
13.	सहकारिता विभाग	275.11	206.33
14.	हिमाचल प्रदेश पावर कॉरपोरेशन	200.00	-
	कुल जोड़	**1549.64**	**846.01**

प्ररूप–4

नियम 6 (1) देखें

31 मार्च, 2019 को कर्मचारियों की संख्या का ब्यौरा

	संख्या	वेतन (2020–21) (रु0 करोड़ों में)		
		योजना	गैर–योजना	कुल
राज्य सरकारी कर्मचारियों की संख्या	181231	402.79	12696.68	13099.47

CONTENTS

Sr.No.	Item	Form	Page
1.	Status of Compliance under H.P FRBM Act.		15-16
2.	Medium Term Fiscal Plan Statement.	1	17-21
3.	Accounting Policy and Practices of the State Government.	2	22-23
4.	Statement of Guarantees on Long Term Liabilities of State Government.	3	24-25
5.	Detail of Number of Employees as on 31st March. 2019.	4	26

Status of Compliance under H.P FRBM Act.

1. Himachal Pradesh Fiscal Responsibility & Budget Management Act, 2005 and Himachal Pradesh Fiscal Responsibility & Budget Management Rules, 2005, have been notified by the Government of Himachal Pradesh to make the State Government accountable for fiscal management, ensure fiscal stability, sustainable debt management, transparency in fiscal operations and to chart course for fiscal policy in a medium term frame work.

2. As per the Act, the State Government is required to lay before the Vidhan Sabha, every financial year, the **Medium Term Fiscal Policy Statement** and the **Fiscal Policy Strategy Statement** along with the budget. The Medium Term Fiscal Policy Statement and the Fiscal Policy Strategy Statement sets forth the fiscal objectives, strategic priorities of the State Government and a three- year rolling target for fiscal management.

3. The status with regard to the four parameters of FRBM Act are as under:-

(a) **Revenue Deficit**:

Sr. No.	Fiscal Indicator	2019-20	2020-21
	Revenue Deficit/Surplus as percentage of Revenue Receipt	-12.39	-1.78

(b) **Fiscal Deficit**:

Sr. No.	Fiscal Indicator	2019-20	2020-21
	Fiscal deficit as percentage of Gross State Domestic Product.	-6.42	-4.00

(c) Outstanding Debt:

Sr. No.	Fiscal Indicator	2019-20	2020-21
	Total outstanding Debt as percentage of Gross State Domestic Product.	33.68	33.62

(d) Risk Weighted Guarantees:

Sr. No.	Fiscal Indicator	2019-20	2020-21
1	Total outstanding Guarantees as percentage of Revenue Receipts.	5.01	6.30

4. The Medium Term Fiscal Plan Statement is detailed in Form-1 as provided under Rules 4 & 5.

5. The Accounting Policy and Practices of the State Government are described in Form-2.

6. The Statement depicting Guarantees on Long Term Liabilities of the State Government is given in Form-3.

7. The detail of the employees as on 31.03.2019 is given in Form-4.

Form 1

(See rule 4 and 5)

Medium Term Fiscal Plan Statement

A. FISCAL INDICATORS – ROLLING TARGETS:

(₹ in Crore)

Fiscal Indicator		Current year Revised Estimates 2019-20	Ensuing year Target: Budget Estimates 2020-21	Target for next three years		
				Y+1 2021-22	Y+2 2022-23	Y+3 2023-24
1	Revenue Receipts	32329.67	38438.87	41154.87	40127.87	42511.79
2	Revenue Expenditure	36336.63	39122.85	41978.82	45290.95	48954.98
3	Revenue Deficit/Surplus as percentage of Revenue Receipts.	-12.39	-1.78	-2.00	-12.87	-15.16
4	Fiscal deficit as percentage of Gross State Domestic Product.	-6.42	-4.00	-3.96	-5.82	-6.07
5	Tax revenue as percentage of Gross State Domestic Product	4.83	4.99	5.06	5.13	5.20
6	Total outstanding Debt as percentage of Gross State Domestic Product.	33.68	33.62	33.56	33.51	33.47
7	Total outstanding Guarantees as percentage of Revenue Receipts.	5.01	6.30	State Government would try to keep this within FRBM limits.		
8	Gross State Domestic Product	165472	182020	200222	220244	242269

Note: **i) As the report of 15th Finance Commission is available for 2020-21 only, RDG have been kept static at the level of 2020-21 for the years 2021-22 to 2023-24. However for share in central taxes, growth has been assumed at 11%.**
ii) GST compensation is available till 30-06-2022 which has resulted in increase in revenue and fiscal deficits in the year 2022-23 & 2023-24 as indicated in the above table.

B. ASSUMPTIONS UNDERLYING THE FISCAL INDICATORS:

1. REVENUE RECEIPT:

(A) Tax Revenue growth rate and Gross State Domestic Product:

1. The growth of GSDP has been estimated on the basis of quick growth estimates for 2018-19 and advance estimates of 2019-20. A nominal growth of 10% has been assumed from 2020-21 to 2023-24.
2. Each Component of Tax and Non-Tax Revenue has been assessed separately and assumed to grow on realistic basis.
3. Receipt from sale of Power has not shown desired growth in view of decline in per unit rate of power.

2. CAPITAL RECEIPT:

(a) Fresh Loans and Policy stance: All loans raised are from authorized source approved by Government of India.

(b) Recovery of Loans: Recovery is being done regularly.

3. TOTAL EXPENDITURE

(a) REVENUE ACCOUNT:

(i) Salary and Wages:-Salary has been assumed /calculated on the basis of likely DA installments and impact of pay revision has also been included as Punjab Pay Commission is expected to submit its report during 2020-21. Wages are assumed to grow on actual basis.

(ii) Pension:- Pensions are assumed/calculated on the basis of number of retirees each year, likely impact of revision of pension due to pay revision in 2020-21, retirement benefits and future DA installments.

(iii) Interest payments:- Interest payment has been calculated on the basis of actual outstanding loans and expected future loan liabilities.

(₹ in Crore)

	2019-20	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**	**2023-24**
Interest payment	4550.00	4931.92	5364.95	5838.14	6532.48

(iv) **Major Subsidies:-** State Government subsidy flows mainly to domestic consumers under Energy Sector and food subsidies. Growth of 10% has been assumed each year. The likely subsidies are going to be as follows:

(₹ in Crore)

	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24
Subsidies	1192.02	1158.33	1274.16	1401.58	1541.74

(b) CAPITAL ACCOUNT:

(i) Loans and Advances: The details are as under:-

(ii) Capital Outlay:

(₹ in Crore)

	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24
iv) Capital Outlay	5943.41	6255.03	6755.44	7295.87	7879.54
iii) Disbursement of Loans and Advances	706.72	359.45	377.42	396.29	416.10
iii) Recovery of Loans and Advances	30.69	26.20	26.20	26.20	26.20

C. STATEMENT ON:

(i) The balance between revenue receipts and revenue expenditure

State Own Tax Revenue at current price is expected to be as per the following table: **(₹ in crore)**

	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24
State Goods and Services Tax	3541.64	3855.14	4317.75	4835.88	5416.19
Land Revenue	16.33	17.78	19.03	20.36	21.79
Stamps & Registration Fee	289.23	327.78	360.56	396.62	436.28
State Excise Duties	1625.37	1787.90	2020.33	2282.97	2579.76
VAT	1217.31	1685.27	1870.65	2076.42	2304.83
Taxes on Motor Vehicles	432.41	457.08	502.79	553.06	608.37
Taxes on Goods and Passengers	155.44	166.32	182.96	201.25	221.38
Taxes & Duties on Electricity	378.00	402.82	435.05	469.85	507.44
Other Taxes & Duties on Commodities and Services	348.87	390.17	421.37	455.08	491.49
Total	**8004.60**	**9090.26**	**10130.49**	**11291.49**	**12587.53**

The expected State Non Tax Revenue is likely to be as follows:

(₹ in crore)

	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24
Interest receipts	325.99	331.99	351.91	373.02	395.40
Dividends & Profits	139.81	151.55	166.71	183.38	201.71
General Services	223.89	235.86	247.65	260.04	273.04
Social Services	383.74	367.87	393.62	421.18	450.66
Economic Services	1298.41	1323.19	1415.81	1514.92	1620.96
Total	**2371.84**	**2410.46**	**2575.70**	**2752.54**	**2941.77**

Growth in economic services include revenue from Hydro Power.

The **Revenue Expenditure** during the forecast period is likely to be as follows:

(₹ in Crore)

Table-I	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24
1. Plan Expenditure	2797.58	2857.82	3066.44	3308.38	3576.03
2. Non Plan Expenditure	30396.71	33361.25	35796.62	38620.98	41745.40
3. CSS	3142.34	2903.78	3115.76	3361.59	3633.55
Total	**36336.63**	**39122.85**	**41978.82**	**45290.95**	**48954.98**

(₹ in Crore)

Table-II	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24
1. Salary	11441.12	13099.47	14239.12	15448.03	16731.76
2. Pension	6660.42	7266.00	7441.40	7876.88	8450.66
3. Interest Payment	4550.00	4931.92	5364.95	5838.14	6352.48
4. Others	13685.09	13825.46	14933.35	16127.90	17420.08
Total	**36336.63**	**39122.85**	**41978.82**	**45290.95**	**48954.98**

(ii) The use of capital receipts including market borrowings for generating productive assets: These are used for infrastructure development like Water Supply, Irrigation and Roads which help improve livelihoods of the people of the Pradesh and incomes.

(iii) Statement on recent economic trends and future prospects of growth affecting fiscal position of the State Government:

(a) The 15th Finance Commission has given its report for one year only i.e. for 2020-21. Report of next five years (2021-22 to 2025-26) is expected by October, 2020 and State's financial position depends upon its recommendations.

(b) Salary expenditure is increasing every year. For 2020-21 it is expected to be 27% of the total expenditure. Pay revision is also expected in 2020-21 which will have a direct bearing impact on the finances since Punjab Pay Commission report is normally considered while revising pay scales in Himachal Pradesh. It will also be a challenge for the State to meet this impact with its limited tax base. Increasing expenditure on salary/pension would have an adverse impact on creation and maintenance of assets.

(c) Compensation on account of GST shortfall is available to the State till 30-06-2022. However, after 01-07-2022, State's revenues will be adversely affected if GST compensation is not available. Hence, steps are required to be taken to improve our tax collections.

(iv) **Strategic priorities of the Government in the fiscal areas:** The State Government has initiated a number of measures to institutionalize the path of fiscal correction. These measures have been both in processes and policy framework. In the area of policy, State Government has ensured that borrowings are within 3% of GSDP. There is stress on better tax compliance, bringing transparency in Excise Policy and appropriate checks in Revenue Expenditure. Subsidies are well under control. In processes, the State is complying with requirements of Public Financial Management System.

(v) **Statement of cumulative debt or liabilities:** By the year 2019-20, the total debt of the state is expected to be Rs.55737 crore.

Form 2

(See rule 6)

Accounting Policy and Practices of the State Government

Existing Procedure/Practices	Change, if any	Reasons for Changes	Impact, if any
1. EXISTING ACCOUNTING STANDARDS			
(a) State Government:			
Article 150 and 283 of the Constitution provides for maintenance of accounts of the State Government in the form and manner as prescribed by the comptroller and Auditor General of India. At present , the accounts are prepared keeping in view the provisions prescribed under the following Rules/Manuals: I. H.P. Financial Rules 2009 II. Accounts Codes III. Treasury Rules	---	---	---
(b) Public Sector Undertakings:			
The Public Sector Undertakings incorporated under the Company Act follow the Accounting Standards issued by Accounting standard Board/Indian Institute of Chartered Accountant, Government of India. The Boards/Corporations and other H.P Public Sector Undertakings not incorporated under the Company Act have their own set of Rules/Manuals and the accounts are prepared in the form and manner as prescribed under such Rules/Manuals.	---	---	---

2. EXISTING ACCOUNTING POLICY/PRACTICES			
(a) State Government:			
i. The annual accounts comprise of those transactions which take place for the financial year commencing from 1st April and ending on 31st March of the designated period. ii. The accounts are prepared on 'cash basis' and **'single entry system'** of accounting is followed. In respect of the transactions where the government acts as a banker or remitter or borrower or lender, "double entry system" of accounting is followed. iii. The accounts of government in the State are maintained in Indian currency. iv. The accounts of government are kept in three parts viz: 1. Consolidated Fund. 2. Contingency Fund. 3. Public Account. v. In terms of requirement of Article 202(2)(b) of the constitution expenditure on revenue account is shown separately from other expenditure. vi. The annual accounts of State Government are prepared in two parts viz. appropriation Accounts and the Finance Accounts.	---	---	---
(b) PUBLIC SECTOR UNDERTAKINGS:			
The Public Sector Undertakings incorporated under the Company Act are following "Accrual System of Accounting." The two financial statements viz. Profit & Loss, Account/Income and Expenditure Account to depict the result of operation for the specified period followed by Balance Sheet to disclose the financial position as at the end of the financial year are prepared. The Boards/Corporation and other H.P. Public Sector Undertakings not incorporated under the Company Act have their own set of Rules/Manuals and the accounts are prepared in the form and manner as prescribed under such Rules/Manuals.	---	---	---

Form 3
(See rule 6)

Statement of Guarantees on Long Term Liabilities of State Government

Maximum amount Guaranteed for the year for which actuals are available(31.3.19) (₹ in Crore)	Amount outstanding against the guarantees given(31.3.19) (₹ in Crore)	Guarantees outstanding as on 31st March of previous year (31.3.18) (₹ in Crore)	Additional guarantees given during the current year (2019-20) (₹ in Crore)	Remarks, if any
1.	2.	3.	4.	5.
1776.93	1549.64	1416.33	400.00	Outstanding guarantees are 6.30% of the Revenue Receipt which is below the FRBM targets.

(II) Statement of Risk Weighted Guarantees

		(₹ in Crores)	
Sr. No.	**Corporation**	**Sums Guaranteed and outstanding as on 31.03.2019**	**Risk Weighted Amount**
1	Himachal Pradesh State Electricity Board	800.00	400.00
2	Himachal Road Transport Corporation	187.29	187.29
3	Handlooms and Handicrafts Corporation	0.60	0.45
4	Minorities Financial Development Corporation	14.50	10.87
5	Milkfed	5.00	3.75
6	Himachal Pradesh Khadi & Village Industry Board	4.73	3.55
7	Himachal Pradesh Agro Industries	0.40	0.30
8	Scheduled Caste/Scheduled Tribe Corporation	23.87	17.90
9	Himachal Pradesh Financial Corporation	5.80	4.35
10	Backward Classes Financial Development Corporation	8.96	6.72
11	Himachal Pradesh Infrastructure Development Board	17.38	-
12	Himachal Pradesh Horticulture Produce Marketing & Processing Corporation Ltd.	6.00	4.50
13	Cooperation Department	275.11	206.33
14.	H. P. Power Corporation	200.00	-
	Grand Total	**1549.64**	**846.01**

Form 4
[See rule 6(1)]

DETAIL OF NUMBER OF EMPLOYEES AS ON 31ST March, 2019

Sr. No.		**Number**	**Salary (2020-21)** (₹ in Crore)		
			Plan	**Non Plan**	**Total**
1.	No. of State Govt. Employees	181231	402.79	12696.68	13099.47